प्रमुख कृतियाँ–**टिहरी की कहानियाँ, सुच्ची डोर** (कहानी-संग्रह); **उलझे रिश्ते, बीम अकेली, सूरज सबका है, उत्तर बायाँ है, झुंड से बिछुड़ा** (उपन्यास); **मोहन गाता जाएगा** (आत्मकथ्य)।

शमशेर बहादुर सिंह
(सन् 1911-1993)

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के प्रमुख कवि शमशेर बहादुर सिंह का जन्म देहरादून (उत्तरांचल) में हुआ और शिक्षा देहरादून एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय से। प्रसिद्ध चित्रकार उकील-बंधुओं से उन्होंने कला-प्रशिक्षण लिया।

अनूठे काव्य-बिंबों का सृजन करने वाले शमशेर केवल असाधारण कवि ही नहीं, एक अनूठे गद्य-लेखक भी हैं। 'दोआब', 'प्लाट का मोर्चा', जैसी गद्य रचनाओं के माध्यम से उनके विशिष्ट गद्यकार के रूप को पहचाना जा सकता है।

प्रमुख कृतियाँ–**कुछ कविताएँ, कुछ और कविताएँ, चुका भी नहीं हूँ मैं, इतने पास अपने, काल तुझसे होड़ है मेरी** (काव्य-संग्रह); **कुछ गद्य रचनाएँ, कुछ और गद्य रचनाएँ** (गद्य-संग्रह)।